MR. DEPUTY-SPEAKER : Your constituency should know that you have raised this issue and so it should go on the radio.

श्री जगपाल सिंह : आप पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर को इस बारे में इंस्ट्रक्ट कर दीजिए।

MR. DEPUTY-SPEAKER : Your constituency should know that you have raised it, and that is being done by the Government.... But I will communicate your views.

(xi) Delay in crushing of sugarcane by Iqbalpur Sugar Factory, Saharanpur and non-payment of arrears to sugarcane growers.

श्री जगपाल सिंह : मैं जनपद सहारनपुर के इकबालपुर शुगर फैक्टरी, जो कई वर्षों से रूग्ण है, से संबंधित मामला सदन में उठाना चाहता हूं। पिछले वर्ष भी यह फैक्टरी गन्ने की पेराई ठीक नहीं कर पाई थी। करोड़ों रुपये का रस नालों में बहाया गया था। मैंने इस फैक्टरी के अधिग्रहण का मामला सदन में उठाया था, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई। इस वर्ष भी यह संस्थान गन्ने की समय पर पेराई नहीं कर पायेगा। किसान कई-कई दिन गन्ने की तुलाई के लिए खड़ा रहता है। फिर भी तुलाई का प्रबन्ध नहीं हो पाता है।

अत: इस फैक्टरी पर सरकार सख्ताई से काम ले, ताकि गन्ने की ठीक समय पर पेराई हो सके। इस फैक्टरी पर गत वर्ष का किसानों का करोड़ों रुपये बकाया भी तुरन्त दिलवाया जाय, ताकि किसानों को राहत मिल सके और फैक्टरी की विद्यमान रूग्णता दूर की जा सके।

(xii) Inadequate facilities to stone-querry labourers at Bhavnathpur.

श्री आर० पी० यादव (मधेपुरा) : बिहार में जिला मुख्यालय डालटनगंज से कोई 60-70 किलोमीटर दूर पवनाथपुर में बोकारो स्टील लिमिटेड की चूना पत्थर की खदान है जिसकी खुदाई चार ठेकेदारों के जिम्मे है। मजदूरों को काम पर जाने से पहले आवश्यक वस्तुएं जैसे जूता चश्मा जैसी जरूरी चीजें भी नहीं दी जाती हैं जिन के न होने से पत्थरों की खुदाई के क्रम में उसकी किरची आंखों में जा घुसती है और इसके बाद ग्रामीण डाक्टर बाबू के चक्कर में पड़ कर गरीब श्रमिक अपनी आंखों से हाथ धो बैठते हैं। इस प्रकार लगभग तीन दर्जन नेत्रहीन श्रमिक दर-दर की ठोकरें खा रहे है लेकिन उन्हें अब तक न तो मुआवजे की राशि मिली है और न उनके परिवार के किसी सदस्य को नौकरी।

अत: मैं सरकार से जोरदार रूप से अनुशंसा करूंगा कि उपरोक्त जघन्य अपराध की अविलम्ब जांच की जाए और दोषी पाए गए लोगों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि स्वतंत्रता के 36 वर्ष बाद भी इस मुल्क में गरीब जनता को ऐसा अनुभव हो कि वे भी आजाद मुल्क के नागरिक हैं।

(xiii) Wrong depiction of Netaji Subhash Chandra Bose in a film produced by Granada T.V. of U.K. and demand to ban its screening in India.

SHRI CHITTA BASU (Barasat) : It is learnt that Granada Television of U.K. has recently produced a film on Netaji Subhash Chandra Bose.

The film projects Netaji in a manner not consistent with the objective evaluation of the role he played in the history of the freedom of the country. On the contrary, it has depicted him in a distorted way. Following the much-protested Gandhi Film directed by Richard Attenborough, this Granada film on Netaji, provides another piece of evidence of reprehensible attitude being harboured towards Netaji. This is an affront against the nation itself.

According to the Netaji Research Bureau, Calcutta, the film does not contain any interview from the close associates and colleagues of Netaji, but contains those which depict him in much distorted manner.

I demand that the Government of India